सुविचार

हर सुबह खुद को एक नई उमीद दीजिए और अपने दिन को एक सकारात्मक मोड़ दीजिए

दैनिक
# पंचकूला ऑब्जर्वर
सच की सीधी आवाज

वर्ष : 1 | अंक : 14 | पंचकूला। बुधवार, 18 फरवरी 2026 | www.panchkulaobserver.com | मूल्य : 3 रुपए | RNI No. : HRBIL/25/4317 | पृष्ठ : 4

**एक नजर**

### सेक्टर-4 में माता की चौकी का आयोजन 20 फरवरी को

**पंचकूला।** सेक्टर-4 स्थित राधा माधव मंदिर में 20 फरवरी को श्रद्धा और भक्ति के साथ माता की चौकी का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर प्रसिद्ध भजन गायक देशबंधु माता की भेंटें प्रस्तुत करेंगे और श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर करेंगे। आयोजक विपिन लिड्?डू के अनुसार इस माता की चौकी में शहर के गणमान्य नागरिकों के साथ-साथ सेक्टर-4 के निवासी भी बड़ी संख्या में भाग लेंगे। कार्यक्रम को लेकर मंदिर परिसर में तैयारियां जोर-शोर से शुरू कर दी गई हैं।

# उद्योगपतियों व नगर निगम प्रशासन के समन्वय से इंडस्ट्रियल एरिया को रोल मॉडल बनाने का संकल्प

पंचकूला ऑब्जर्वर

**पंचकूला।** नगर निगम कार्यालय सेक्टर-14 पंचकूला में आयोजित बैठक में उद्योगपतियों एवं नगर निगम प्रशासन ने क्षेत्र को स्वच्छ, सुव्यवस्थित और रोल मॉडल औद्योगिक क्षेत्र बनाने का सामूहिक संकल्प लिया।

उद्योगपतियों ने प्रशासन के साथ पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुए कहा कि वे क्षेत्र की बेहतरी के लिए हर संभव योगदान देंगे। पंचकूला चेंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के चेयरमैन अरुण ग्रोवर द्वारा लंबे समय से इंडस्ट्रियल एरिया की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया जाता रहा है। विभिन्न मंचों और विभागों के समक्ष लगातार पत्राचार,

**पीसीसीआई की पहल रंग लाई**



बैठकों और संवाद के माध्यम से उन्होंने उद्योगों की आवाज को मजबूती दी। यद्यपि वे आज की बैठक में व्यक्तिगत कारणों से उपस्थित नहीं हो सके, लेकिन उद्योगपतियों ने स्पष्ट रूप से माना कि उनकी सतत पहल और प्रयासों का ही परिणाम है कि प्रशासन ने अब जमीनी स्तर पर ठोस कार्रवाई की दिशा में प्रभावी कदम बढ़ाए हैं।

नगर निगम पंचकूला के आयुक्त विनय कुमार ने आश्वस्त किया कि वे और उनकी पूरी टीम उद्योग जगत के साथ कदम से कदम मिलाकर कार्य करेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रत्येक समस्या पर तत्काल प्रभाव से सख्त कार्रवाई की जाएगी और एक ठोस कार्ययोजना बनाकर समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

बैठक के दौरान उद्योगपति संजीव तलवार ने इंडस्ट्रियल एरिया फेस-1 एवं फेस-2 में अंडरपास तथा अभयपुर के पास स्थित छोटी पुलिया को ऐसे संवेदनशील बिंदु बताया, जहां लगातार कूड़ा फेंके जाने की समस्या बनी हुई है। इसके अतिरिक्त प्लॉट नंबर 266 से 277 तक सड़कों पर जलभराव एवं सीवरेज जाम की गंभीर स्थिति का मुद्दा उठाया गया। उद्योगपतियों ने बताया कि इंडस्ट्रियल एरिया में स्थित दो प्रमुख फूड फैक्ट्री/रेस्टोरेंट इकाइयों से निकलने वाला अपशिष्ट उचित निस्तारण के अभाव में सड़कों पर जलभराव एवं सीवरेज जाम का कारण बन रहा है, जिससे क्षेत्र की स्थिति प्रभावित हो रही है।

इस पर संज्ञान लेते हुए आयुक्त विनय कुमार ने संबंधित निरीक्षक को निर्देश दिए कि इंडस्ट्रियल एरिया में नियमित निगरानी रखी जाए और किसी भी निजी ठेकेदार अथवा व्यक्ति द्वारा कूड़ा फेंकने पर तत्काल चालान किया जाए। जियो-टैगिंग एवं फोटो सहित रिपोर्ट सीधे उनके समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए। इंचार्ज तरुण एवं हेड सुपरवाइजर भारत कुमार को गार्बेज एवं सीवरेज की समस्या को युद्धस्तर पर ठीक करने के सख्त निर्देश दिए गए तथा लापरवाही की स्थिति में कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई।

बैठक में नगर निगम द्वारा एक महत्वपूर्ण डिजिटल पहल की जानकारी भी साझा की गई। निगम की आधिकारिक वेबसाइट पर ÷डोर टू डोर वेस्ट कलेक्शन÷ सेवा को प्रमुखता से जोड़ा गया है, जिसमें संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के संपर्क नंबर अपडेट किए गए हैं। अब उद्योगपति एवं नागरिक अपनी सफाई अथवा कचरा संबंधी समस्या सीधे ऑनलाइन माध्यम से दर्ज करवा सकते हैं और उसका समाधान प्राप्त कर सकते हैं। इसे पारदर्शिता और त्वरित निस्तारण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना गया।

आयुक्त ने उद्योगपतियों से दो प्रतिनिधि नामित करने का आग्रह किया, ताकि संयुक्त रूप से एक प्रभावी एक्शन प्लान तैयार कर समस्याओं का दैनिक आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने तीन दिन पश्चात स्वयं इंडस्ट्रियल एरिया का दौरा कर स्थिति की समीक्षा करने की घोषणा भी की।

बैठक में राजन नंदा, संजीव तलवार, महेश सभरवाल, रोहित सेन, विनय बंसल, विनय नारद, रोहित चुघ, दीपक सिंगला, अजय गुप्ता, हर्ष भाटिया एवं राकेश गोयल सहित इंडस्ट्रियल एरिया फेस-1 एवं फेस-2, पंचकूला (हरियाणा) के अनेक उद्योगपति उपस्थित रहे।

बैठक सकारात्मक एवं परिणामोन्मुख वातावरण में संपन्न हुई, जिसमें प्रशासन और उद्योग जगत के बीच बेहतर समन्वय, जवाबदेही और त्वरित कार्यप्रणाली के माध्यम से इंडस्ट्रियल एरिया को स्वच्छ, व्यवस्थित एवं आदर्श बनाने के संकल्प को दोहराया गया।

## नगर निगम के सफाई कर्मचारियों का विवरण ऑनलाइन किया अपलोड

- इस नागरिक-केंद्रित पहल का उद्देश्य पारदर्शिता और जवाबदेही को सुदृढ़ करना : आयुक्त विनय कुमार
- अब नागरिक संबंधित सफाई अधिकारियों से कर सकते हैं सीधे संपर्क
- अनसुलझी शिकायतों के निस्तारण हेतु हेल्पलाइन सुविधा उपलब्ध



**पंचकूला, 17 फरवरी।** जवाबदेही को सुदृढ़ करने और सेवा वितरण में सुधार के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण नागरिक-केंद्रित पहल के तहत, नगर निगम पंचकूला ने अपने सफाई कर्मचारियों की सेक्टर-वाइज और बीट-वाइज विवरण अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिए हैं। यह सूची आमजन की आसान पहुँच के लिए 222.द्रष्श्चड्डठ्ठष्द्धद्वद्ध-द्यड्डु.द्बठ्ठ पर उपलब्ध है। जारी की गई जानकारी में प्रत्येक क्षेत्र में तैनात सफाई कर्मचारियों के नाम और उनकी संपर्क जानकारी शामिल है। इसमें डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण में लगे कर्मचारी भी सम्मिलित हैं। यह महत्वपूर्ण कदम नगर निगम आयुक्त श्री विनय कुमार के मार्गदर्शन में उठाया गया है, जिसका उद्देश्य सार्वजनिक सेवाओं को नागरिकों के और अधिक निकट लाना तथा सफाई कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करना है। इस पहल के तहत अब नागरिक सफाई सेवाओं में किसी भी प्रकार की कमी या डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण से संबंधित समस्या होने पर अपने सेक्टर/बीट के संबंधित असिस्टेंट सैनिटेशन इंस्पेक्टर या सुपरवाइज़र से सीधे संपर्क कर सकते हैं।

खास बात यह है की , यदि किसी शिकायत का समाधान फील्ड स्तर पर संतोषजनक ढंग से नहीं होता है, तो नागरिक त्वरित हस्तक्षेप और निस्तारण के लिए नगर निगम के हेल्पलाइन नंबर 9696494949 (फॉर कॉलिंग और व्हाट्सएप) और 9696120120 पर भी संपर्क कर सकते हैं। यह सुव्यवस्थित एस्केलेशन तंत्र सुनिश्चित करता है कि कोई भी शिकायत अनदेखी न रहे और प्रत्येक मामले पर समयबद्ध कार्रवाई हो। इस पहल से कार्यप्रणाली की तत्परता और फील्ड-स्तर पर निगरानी में उल्लेखनीय सुधार होने की अपेक्षा है, क्योंकि नागरिकों और सफाई अधिकारियों के बीच स्पष्ट संवाद से शिकायतों का शीघ्र समाधान संभव हो सकेगा। साथ ही, यह कदम लोगों को अपने क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखने में सक्रिय भागीदारी के लिए सशक्त बनाते हुए निगम की सहभागी शासन के प्रति प्रतिबद्धता को भी और मजबूत करता है। इस पहल पर बोलते हुए, आयुक्त श्री विनय कुमार ने जोर दिया कि स्वच्छता एक साझा जिम्मेदारी है और नागरिकों से समय पर प्राप्त फीडबैक निगम को अपनी कार्यकुशलता में सुधार करने में सहायक होता है। उन्होंने कहा कि निगम की वेबसाइट के माध्यम से फील्ड-स्तर के कर्मचारियों का विवरण सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराकर तथा शिकायत निवारण तंत्र को सुदृढ़ बनाकर, निगम का उद्देश्य जमीनी स्तर पर जवाबदेही, पारदर्शिता और प्रभावी सेवा वितरण सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि नगर निगम पंचकूला स्वच्छता मानकों को और बेहतर बनाने के लिए नवाचारी, पारदर्शी और नागरिक-अनुकूल उपाय अपनाने के प्रति प्रतिबद्ध है। नागरिकों से अपील की गई है कि वे www.mcpanchkula.in पर जाकर उपलब्ध जानकारी का सकारात्मक एवं जिम्मेदाराना उपयोग करें तथा सभी के लिए स्वच्छ और स्वस्थ पंचकूला सुनिश्चित करने में अपना सहयोग प्रदान करें।

## भाजपा संगठन को मजबूती देने की दिशा में सक्रियता, वार्ड 13 से दीपक गर्ग ने ठोकी दावेदारी

पंचकूला ऑब्जर्वर

**पंचकूला।** नगर निगम के वार्ड 13 से चुनावी तैयारियों ने रफ्तार पकड़ ली है। इसी कड़ी में भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता दीपक गर्ग ने वार्ड 13 से पार्षद पद के लिए अपना औपचारिक आवेदन अजय मित्तल जिला अध्यक्ष पंचकूला, भारतीय जनता पार्टी को सौंपा। यह आवेदन उन्होंने पार्टी कार्यालय पंच कमल में पहुंचकर विधिवत रूप से दिया, जहां संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

दीपक गर्ग लंबे समय से भाजपा संगठन से जुड़े हुए हैं और वार्ड 13 में उनकी सामाजिक व संगठनात्मक सक्रियता किसी से छिपी नहीं है। स्थानीय समस्याओं को लेकर निरंतर आवाज उठाने, जनसंपर्क बढ़ाने और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने में उनकी भूमिका को कार्यकर्ताओं द्वारा सराहा जाता रहा है। आवेदन सौंपते समय दीपक गर्ग ने कहा कि यदि पार्टी नेतृत्व उन्हें अवसर देता है, तो वे वार्ड 13 के विकास, स्वच्छता, मूलभूत सुविधाओं और नागरिक समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता देंगे।

पार्टी कार्यालय पंच कमल में आवेदन देने के दौरान दीपक गर्ग ने संगठन के प्रति अपनी निष्ठा दोहराते हुए कहा कि भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो बिना भेदभाव के विकास कार्य करती है। उन्होंने विश्वास जताया कि पार्टी नेतृत्व योग्य और कर्मठ कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपेगा।

भाजपा संगठन के पदाधिकारियों ने भी कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए कहा कि सभी आवेदनों पर संगठनात्मक मंथन के बाद निर्णय लिया जाएगा। दीपक गर्ग के आवेदन से वार्ड 13 में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं और भाजपा के भीतर चुनावी तैयारियों को नई ऊर्जा मिली है।

## मिनी वाकाथान का आयोजन, नई आयकर गाइडलाइंस पर चर्चा

**पंचकूला।** इंस्टीच्यूट आफ वेल्यूर्स ने भगवान शिव के नाम पर एक ÷मिनी वॉकाथॉन÷ का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सेक्टर-1, एमडीसी स्थित शिवालिक कंट्री क्लब में आयोजित हुआ। वाकाथान का उद्देश्य ट्राइसिटी के वैल्यूअर्स के बीच एकता, समन्वय और स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में ट्राइसिटी के अनेक वैल्यूअर्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वॉकाथान के पश्चात तकनीकी चर्चा सत्र आयोजित किया गया, जिसमें वर्ष 2026 की नई आयकर नियमावली एवं वैल्यूअर्स के लिए जारी दिशा-निर्देशों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। साथ ही, वैल्यूअर्स द्वारा अपने दैनिक कार्यों में आ रही व्यावहारिक समस्याओं पर भी चर्चा की गई और उनके समाधान पर सुझाव साझा किए गए। सतीश चावला ने बताया कि इस अवसर पर वैल्यूअर पंकज जायसवाल को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। उन्हें आईओवी की केंद्रीय संस्था द्वारा बैंकिंग वैल्यूएशन के लिए एडवाइजरी कमेटी (नॉर्थ जोन) का सदस्य चुने जाने पर बधाई दी गई। उपस्थित सदस्यों ने उन्हें इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दीं।

## अजय कुमार घनघस ने संरक्षण गृह प्रभारी को नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

पंचकूला ऑब्जर्वर

**पंचकूला, 17 फरवरी।** जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट-कम-सेक्रेटरी श्री अजय कुमार घनघस ने आज कालका में पुलिस स्टेशन कालका के निकट नवविवाहित जो?ों के लिए स्थापित प्रोटेक्शन होम का औचक निरीक्षण किया। यह निरीक्षण न्यायालय के निर्देशों के तहत सुरक्षा चाहने वाले जो?ों के लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं, रखरखाव तथा समुचित संचालन की समीक्षा के उद्देश्य से किया गया।



अजय कुमार घनघस ने निरीक्षण के दौरान प्रोटेक्शन होम के सभी कमरों की साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था एवं मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता की जांच की। निरीक्षण के समय प्रोटेक्शन होम में कोई नवविवाहित जो?ा निवासरत नहीं था। इसके बावजूद उन्होंने सोने की व्यवस्था, स्वच्छता संबंधी सुविधाएं तथा सुरक्षा उपायों का परीक्षण किया ताकि आवश्यकता पड़ने पर कम समय में जोरों को सुरक्षित रूप से ठहराया जा सके।

सीजेएम ने प्रोटेक्शन होम में रखे ऑफिसियल रजिस्टरों की जांच की तथा पूर्व में ठहरे जो?ों, प्रदान की गई सुरक्षा अवधि एवं न्यायालय के आदेशों के अनुपालन से संबंधित प्रविष्टियों का भी सत्यापन किया। उन्होंने पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने हेतु सटीक व अद्यतन अभिलेख रखने के महत्व पर बल दिया तथा निर्देश दिए कि सभी प्रविष्टियां समय पर की जाएं और संबंधित अधिकारी द्वारा सत्यापित हों।

**पुलिस अधिकारियों से समुचित समन्वय बनाए रखें**

सीजेएम ने संरक्षण गृह प्रभारी उपनिरीक्षक संजय कुमार को नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वे न्यायिक एवं पुलिस अधिकारियों से समुचित समन्वय बनाए रखें, ताकि आश्रय एवं सुरक्षा चाहने वाले जो?ों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। अजय कुमार घनघस ने कहा कि प्रोटेक्शन होम ऐसे नवविवाहित जो?ों के जीवन एवं अधिकारों की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिन्हें धमकी या सामाजिक दबाव का सामना करना प? सकता है। उन्होंने बल देकर कहा कि ऐसी सुविधाएं पूर्णतः कार्यशील, सुरक्षित और हर समय तैयार स्थिति में रहनी चाहिए तथा स्टाफ को अनुशासन, स्वच्छता एवं अभिलेख संधारण के उच्च मानक बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पंचकूला सभी नागरिकों के लिए न्याय तक पहुंच और बुनियादी अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

## 18 फरवरी को गांव खोल फतेह सिंह में किया जाएगा रात्रि ठहराव का आयोजन

- रात्रि ठहराव के दौरान उपायुक्त सतपाल शर्मा सुनेंगे ग्रामीणों की समस्याएं, मौके पर करेंगे समाधान



**पंचकूला, 17 फरवरी।** ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान हेतु हरियाणा सरकार द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रम के अंतर्गत 18 फरवरी को खंड पिंजौर के गांव खोल फतेह सिंह स्थित राजकीय प्राइमरी विद्यालय में रात्रि ठहराव कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा गांव में उपस्थित रहकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनेंगे तथा उनका समाधान करेंगे ।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा सूचना एवं सेवा स्टॉल लगाए जाएंगे। इन स्टॉलों के माध्यम से अधिकारी एवं कर्मचारी ग्रामीणों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देंगे तथा पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ प्रदान करेंगे।

रात्रि ठहराव कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु संबंधित विभागों को आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

**गौरव** | 29 राज्यों से आई प्रशिक्षणार्थियों का दीक्षांत एवं शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

## प्राथमिक प्रशिक्षण केन्द्र, आईटीबीपीभानू में 500 हिमवीरांगनाएं देश सेवा के लिए तैयार

पंचकूला ऑब्जर्वर

**पंचकूला।** प्राथमिक प्रशिक्षण केन्द्र, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल (भानू) में 492वें कांस्टेबल/जीडी (रिक्रूट) महिला बैच की 29 राज्यों से आई 500 प्रशिक्षणार्थियों का दीक्षांत एवं शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में महानिदेशक, भा.ति.सी. पुलिस श्री शत्रुजीत सिंह कपूर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

महानिरीक्षक, बीटीसी श्री अशोक नेगी द्वारा मुख्य अतिथि का भव्य स्वागत किया गया। समारोह में अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी, संस्थान के पदाधिकारी, उनके परिवारजन तथा ब?ी संख्या में महिला प्रशिक्षणार्थियों के अभिभावक भी उपस्थित रहे। परेड की कमान कांस्टेबल/जीडी (रिक्रूट) अटलकम मीनाक्षी (प्रथम वाहिनी) ने संभाली, जबकि कांस्टेबल/जीडी (रिक्रूट) दीक्षा भगोली (21वीं वाहिनी) को सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षणार्थी घोषित किया गया। शत्रुजीत सिंह कपूर द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिला प्रशिक्षणार्थियों को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को बेसिक प्रशिक्षण पूर्ण करने पर बधाई देते हुए कहा कि अब आप सभी इस बल के 'हिमवीर' परिवार की प्रशिक्षित सदस्य बन गई हैं। आपको आईटीबीपी जैसे अनुशासित बल में देश सेवा का अवसर प्राप्त हुआ है, जो अत्यंत गौरव की बात है।





उन्होंने आशा व्यक्त की कि प्रशिक्षण के दौरान अर्जित ज्ञान को आगे भी बनाए रखते हुए निरंतर सीखने का प्रयास करें।

इसके पश्चात बीटीसी भानू के जवानों द्वारा विभिन्न प्रदर्शनों के माध्यम से साहस, अनुशासन और शारीरिक क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया गया, जिसकी दर्शकों ने खूब सराहना की।

महानिरीक्षक श्री अशोक नेगी के नेतृत्व में प्रशिक्षण केन्द्र के प्रशिक्षकों ने प्रशिक्षणार्थियों का समय-समय पर मनोबल ब?ाया तथा उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से सक्षम बनाने के उद्देश्य से ड्रिल, हथियार संचालन, मैप रीडिंग एवं टैक्टिक्स सहित विभिन्न विषयों पर 44 सप्ताह का कठोर प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे वे सेवा के दौरान तथा दैनिक जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना प्रभावी रूप से कर सकें।

# अब दफ्तरों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं, पंजाब ट्रेड कमीशन छोटे व्यापारियों का समय मेहनत बचाएगा: चीमा

- भगवंत मान सरकार ने पंजाब ट्रेड कमीशन किया लॉन्च- व्यापारियों के काम को आसान बनाने के लिए 10 जिलों में हुई बैठकें

पंचकूला ऑजर्वर

**चंडीगढ़।** भगवंत मान सरकार ने राज्य के व्यापारी समुदाय को मज़बूत करने और छोटे व्यापारियों, दुकानदारों और उद्यमियों के लिए बिज़नेस प्रोसेस को आसान बनाने के मकसद से 'पंजाब ट्रेड कमीशन' बनाने का ऐलान किया है। पंजाब के फ़ाइनेंस, एक्साइज़ और टैक्सेशन और प्लानिंग मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि यह पहल पंजाब की आर्थिकता चलाने वाले लोगों के लिए गवर्नेंस को ज़्यादा आसान और जवाबदेह बनाने के सरकार की वचनबद्धता को दिखाती है।

मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि कमीशन का मुख्य मकसद यह पक्का करना है कि व्यापारियों को रूटीन अप्रूवल, डिपार्टमेंटल क्लीयरेंस और रोज़ाना के बिज़नेस ऑपरेशन के लिए ऑफिस के चक्कर न काटने पड़ें। सालों से, छोटे व्यापारी और दुकानदार छोटी-छोटी दिक्कतों के लिए भी कई ऑफिस के चक्कर लगाकर अपना कीमती समय बर्बाद करने को मजबूर हैं। यह बदलना चाहिए, और मौजूदा सरकार इसे बदलने के लिए पक्की है।

पंजाब के मंत्री ने कहा कि पंजाब ट्रेड कमीशन व्यापारी समुदाय का समय, मेहनत और पैसा बचाने के लिए एक खास प्लेटफॉर्म के तौर पर काम करेगा। यह उनके मुद्दों के जल्दी और आसानी से हल के लिए एक ऑर्गनाइज्ड सिस्टम, साफ़ जवाबदेही और समय पर समाधान देगा ताकि दिक्कतें हमेशा के लिए लटकी न रहें।

इस पहल की तैयारी में, फरीदकोट, फतेहगढ़ साहिब, लुधियाना, मोगा, मलेरकोटला, पटियाला, रूपनगर, संगरूर, बरनाला और बठिंडा में रिव्यू मीटिंग हुई। इन मीटिंग में, सरकारी नुमाइंदों, लोकल एडमिनिस्ट्रेशन और संबंधित टीमों ने कमीशन को असरदार तरीके से लागू करने के लिए लोकल दुकानदारों, छोटे व्यापारियों और ट्रेडर्स के साथ ऑपरेशनल तरीकों और ज़िला लेवल पर तालमेल पर चर्चा की।

मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि व्यापारी और छोटे बिज़नेस राज्य की आर्थिकता की रीढ़ हैं। हमारी सरकार एक ऐसा पंजाब बनाने के लिए पूरी तरह से वचनब्ध है, जहाँ ईमानदार बिज़नेसमैन कागजी कार्वाई, देरी और फालतू झंझटों में फंसने के बजाय अपने काम को बढ़ाने पर फोकस कर सकें। मंत्री ने दोहराया कि पंजाब ट्रेड कमीशन को पब्लिक सर्विस, पारदर्शिता और बिज़नेस करने में आसानी की भावना के साथ बनाया जाएगा। व्यापारियों को एक ही प्लेटफॉर्म पर सहायता ,मार्गदर्शन और तुरंत हल मिलेंगे, जिससे यह पक्का होगा कि शासन उनके विरूद्ध नहीं, बल्कि उनके हित में काम करे।

पंजाब की शिक्षा व्यवस्था को नई बुलंदियों पर पहुंचाने के लिए 'अध्यापक मेले' में 8 हजार से अधिक अध्यापक हुए शामिल

# मेगा फेस्ट का उद्देश्य पंजाब के भविष्य में निवेश करने के लिए शिक्षा शास्त्र को नवीनता से जोड़ना है: बैंस

- समागम के दौरान नवीनतम शिक्षा विधियाँ, तकनीकी एकीकरण और अध्यापकों की रचनात्मकता को किया गया प्रस्तुत

पंचकूला ऑजर्वर

**चंडीगढ़।** राज्य के शैक्षिक क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पंजाब स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा बाबा बंदा सिंह बहादुर इंजीनियरिंग कॉलेज, फतेहगढ़ साहिब में दो दिवसीय 'अध्यापक मेला 2025-26' आयोजित किया गया। इस मेगा इवेंट में 8,000 से अधिक अध्यापकों ने भाग लिया, जिसका उद्देश्य सरकारी स्कूलों को रचनात्मकता, तकनीक और शिक्षा शास्त्रीय उत्कृष्टता के एक जीवंत केंद्र में बदलना था।

इस समागम को राज्य के अध्यापक समुदाय की नवीनतम सोच का प्रमाण बताते हुए, पंजाब के शिक्षा मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस ने कहा, 'अध्यापक मेला पारंपरिक कक्षा शिक्षा में बदलाव लाने और एक गतिशील मंच प्रदान करने के लिए आयोजित किया गया था जहाँ शिक्षा शास्त्र में नवाचार को शामिल किया जाता है। हमारे अध्यापकों को पारंपरिक तरीकों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए उत्साहित करके, हम सीधे तौर पर पंजाब के हर बच्चे के भविष्य में निवेश कर रहे हैं। समागम के दौरान दिखाई गई ऊर्जा और रचनात्मकता इस बात का सबूत है कि पंजाब की शिक्षा व्यवस्था उत्कृष्टता के एक नए युग की ओर बढ़ने के लिए पूरी तरह तैयार है।' मंत्री ने कहा, 'अध्यापक देश के भविष्य के निर्माता हैं।' स. बैंस ने बताया कि इस अध्यापक मेले के दौरान राज्य के सभी जिलों के विषय अध्यापकों ने दस विभिन्न श्रेणियों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस दौरान अत्याधुनिक शिक्षण ऐप्स और आईटी टूल विकसित करने से लेकर वन-एक्ट नाटकों से उपस्थित लोगों का मनोरंजन करने और बेहतर माइक्रो-टीचिंग तकनीकों का प्रदर्शन करने तक, विशिष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन किया गया। अन्य श्रेणियों में मनोरंजक गतिविधियाँ जैसे पहेलियाँ और क्वि?, विशेष शिक्षा किट्स, हस्तलिखित और कैलीग्राफी, हस्तनिर्मित मॉडल और फ्लैशकार्ड तथा सीखने के लिए तैयार किए गए मैनुअल और वीडियो गेम्स, विषय के ज्ञान को वास्तविक जीवन में अपनाना शामिल था।

उन्होंने बताया कि इस दौरान ब्लॉक स्तर पर 8,000 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए, जिसमें से प्रत्येक ब्लॉक से शीर्ष दो स्थान प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों को जिला स्तर पर मुकाबले के लिए चुना गया। फिर प्रत्येक श्रेणी के बेहतर प्रदर्शन करने वालों ने फतेहग? साहिब में आयोजित राज्य स्तरीय फाइनल में भाग लिया। विजेताओं को शिक्षा के क्षेत्र में उनके समर्पण और नवाचारपूर्ण योगदान को मान्यता देते हुए प्रमाण पत्र, ट्रॉफियाँ और विशेष संग्रह के साथ सम्मानित किया गया।

इस अध्यापक मेले में बाबा बंदा सिंह बहादुर इंजीनियरिंग कॉलेज, श्री गुरु ग्रंथ साहिब यूनिवर्सिटी और आसपास के स्कूलों के विद्यार्थियों ने भी पूरे उत्साह से भाग लिया, जिससे एक समृद्ध सामुदायिक-शिक्षण माहौल बना।

# डॉ. बलबीर सिंह ने 550+ नए आम आदमी क्लीनिक खोलने की घोषणा

पंचकूला ऑजर्वर

**चंडीगढ़।** पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने आज सिविल सर्जनों और डिप्टी मेडिकल कमिश्नरों के साथ राज्य स्तरीय सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए जहां राज्य सरकार के प्रमुख स्वास्थ्य कार्यक्रमों के जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन की समीक्षा की, वहीं प्राइमरी एवं सेकेंडरी स्वास्थ्य संभाल सेवाओं में सुधारों के अगले चरण की रूपरेखा बनायी। समीक्षा बैठक के दौरान मरीजों को देखभाल सेवा प्रदान करने, डिजिटल सुधारों, बुनियादी ढांचे के अपग्रेडेशन और जिलों में सख्त निगरानी व्यवस्था पर जोर दिया गया।

राज्य की मूलभूत स्वास्थ्य संभाल की रीढ़ की हड्डी के रूप में जाने जाने वाले आम आदमी क्लिनिकों पर प्रकाश डालते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि राज्य भर में 881 आम आदमी क्लिनिक कार्यशील हैं जहां बड़ी संख्या में मरीज इलाज करवाने के लिए आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि पिछले महीने के दौरान ही इन क्लिनिकों में गर्भवती महिलाओं की आमद में लगभग 30 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इन क्लिनिकों में उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं के रूप में पहचाने गए मामलों की संख्या राज्य स्तर पर 29 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जिससे शुरुआती चिकित्सा इलाज संभव हो रहा है और माताओं एवं नवजात शिशुओं की स्वास्थ्य सुरक्षा की जा रही है।

डॉ. बलबीर सिंह ने घोषणा की कि जल्द ही 243 नए आम आदमी क्लिनिक स्थापित किए जाएंगे जबकि 308 उप स्वास्थ्य केंद्रों को आम आदमी क्लिनिकों के रूप में अपग्रेड किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नई सेवाओं में नवजात एवं बाल देखभाल, रूटीन टीकाकरण और मुंह एवं प्रोस्टेट कैंसर के लिए स्क्रीनिंग शामिल होगी। उन्होंने ब्लॉक स्तर पर रेफर करने के मामलों को घटाने और अधिक इलाज प्रदान करने के उद्देश्य से ब्लॉक स्तरीय संस्थाओं को मजबूत करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया।

दवाइयों की उपलब्धता के बारे में बात करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने स्टॉक की कमी के प्रति जीरो टॉलरेंस बनाए रखने के लिए सख्त निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि 14 जिलों ने आम आदमी क्लिनिकों पर 102 आवश्यक दवाइयों में से कम से कम 97 दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित की है। उन्होंने कहा कि स्टॉक में किसी भी प्रकार की कमी होने की स्थिति में संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में आने वाले हरेक मरीज को निर्धारित दवाइयां और जांच सेवाएं मुफ्त प्रदान की जानी चाहिए।

# 20 हजार रिश्वत लेते कानूनगो के भाई परमिंदर सिंह को विजिलेंस ब्यूरो ने पकड़ा

पंचकूला ऑजर्वर

**चंडीगढ़।** पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही अपनी मुहिम के दौरान सब-तहसील महतपुर, जिला जालंधर में तैनात कानूनगो जतिंदर सिंह के भाई परमिंदर सिंह को 20,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों काबू किया है।

आज यहां यह जानकारी देते हुए राज्य विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि उक्त आरोपी को गुरु तेग बहादर नगर, नकोदर, जिला जालंधर के एक निवासी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। प्रवक्ता ने कहा कि शिकायतकर्ता, जो एक किसान है और कार खरीद-फरोख्त का कारोबार भी करता है, ने गांव हरिपुर में 12 मरले का घर खरीदा था। चूंकि उसकी कोई सेल डीड नहीं बनाई गई थी, इसलिए एक सिविल मुकदमा दायर किया गया, जिसका फैसला शिकायतकर्ता के पक्ष में आया। इसके बाद उस फैसले के खिलाफ अपील दायर की गई, जिसे माननीय अदालत ने खारिज कर दिया और अदालत के आदेशों की पालना करते हुए शिकायतकर्ता के पक्ष में सेल डीड दर्ज की गई।

प्रवक्ता ने आगे बताया कि घर का कब्जा दिलाने के लिए उक्त कानूनगो को एक आवेदन दिया गया था। इस संबंध में कंप्यूटरीकृत हदबंदी के नाम पर शिकायतकर्ता से 15,000 रुपये वसूले गए थे। इसके बाद कानूनगो द्वारा घर खाली करने के लिए एक नोटिस जारी किया गया। आरोपी कानूनगो जतिंदर सिंह ने घर का कब्जा दिलाने के लिए शिकायतकर्ता से तहसीलदार के नाम पर 1,00,000 रुपये रिश्वत मांगी।

प्रवक्ता ने बताया कि शिकायतकर्ता द्वारा बार-बार अनुरोध करने के बावजूद कानूनगो ने तहसीलदार के नाम पर रिश्वत देने का दबाव बनाया। मौके पर ही 10,000 रुपये रिश्वत ले ली गई और बाकी रकम किश्तों में देने की बात तय हुई। शिकायतकर्ता ने अवैध रिश्वत मांगने संबंधी पूरी बातचीत रिकॉर्ड कर ली। प्रवक्ता ने खुलासा किया कि आरोपी कानूनगो जतिंदर सिंह ने शिकायतकर्ता पर रिश्वत की अगली किश्त देने के लिए फिर दबाव डाला। चूंकि शिकायतकर्ता बिना रिश्वत दिए अपना काम करवाना चाहता था, इसलिए उसने विजिलेंस ब्यूरो रेंज जालंधर से संपर्क किया।

उसकी शिकायत की प्रारंभिक जांच के बाद विजिलेंस ब्यूरो की टीम ने मुख्य आरोपी जतिंदर सिंह कानूनगो के भाई परमिंदर सिंह, जिसे रिश्वत लेने के लिए भेजा गया था, को दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में शिकायतकर्ता से 20,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। मुख्य आरोपी कानूनगो जतिंदर सिंह फिलहाल फरार है और उसे गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी की जा रही है तथा उसे जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

# उत्तरी भारत में ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस को मिलेगा बढ़ावा चंडीगढ़ में शुरू हुआ नया रीजनल डायरेक्टर ऑफिस

- कारोबार सुगमता को रफ्तार देने के लिए आरओसी हरियाणा ऑफिस का संचालन भी शुरू

पंचकूला ऑजर्वर

**चंडीगढ़।** भारत सरकार के कॉर्पोरेट मामलों का मंत्रालय (एमसीए) ने चंडीगढ़ में रीजनल डायरेक्टर कार्यालय और हरियाणा के रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज़ (आरओसी) कार्यालय की औपचारिक शुरुआत की। एमसीए ने आरसी मिश्रा को चंडीगढ़ में नॉर्दर्न रीजन–II के पहले रीजनल डायरेक्टर के रूप में नियुक्त किया है, जबकि संजय वर्मा को हरियाणा का पहला रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज़ बनाया गया है। ये कार्यालय सोमवार से कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा जारी कार्यालय ज्ञापन और राजपत्र अधिसूचना के अनुसार आधिकारिक रूप से कार्यरत हो गए हैं। उद्घाटन समारोह का संचालन नव-नियुक्त रीजनल डायरेक्टर (नॉर्दर्न रीजन–II) आरसी मिश्रा द्वारा किया गया। इन ऑफिसों की स्थापना कॉर्पोरेट एडमिनिस्ट्रेशन के डीसेंट्रलाइज़ेशन और पूरे उत्तरी भारत में ईज़ ऑफ़ डूइंग बिज़नेस इकोसिस्टम को मज़बूत बनाने की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए रीजनल डायरेक्टर आरसी मिश्रा ने कहा कि चंडीगढ़ में रीजनल डायरेक्टरेट की शुरुआत उत्तर भारत में अधिक जवाबदेह, पारदर्शी और प्रभावी कॉर्पोरेट गवर्नेंस सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने बताया कि विभाग का मुख्य फोकस कानूनी मामलों के समयबद्ध निपटान, नियामकीय व्याख्याओं में एकरूपता लाने तथा हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़, जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख सहित पूरे क्षेत्र में हितधारकों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने पर रहेगा। मिश्रा ने आगे कहा कि यह नया

हरियाणा के रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज़ संजय वर्मा ने बताया कि नया आरओसी कार्यालय राज्य में सेवाओं को और आसान व तेज बनाएगा। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ में आरओसी, हरियाणा खुलने से कंपनियों और प्रोफेशनल्स को नियामक तक पहुंच आसान होगी। ई-फॉर्म और जरूरी फाइलिंग जल्दी पूरी हो सकेगी और नियमों के पालन की निगरानी भी बेहतर होगी। हम आसान और समाधान आधारित अनुपालन व्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पंजाब एवं चंडीगढ़ के रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज़ अनुपम वशिष्ठ ने नए कार्यालयों की शुरुआत का स्वागत करते हुए कहा कि चंडीगढ़ में रीजनल डायरेक्टर और आरओसी, हरियाणा के बनने से मंत्रालय का कामकाज उत्तर भारत में और मजबूत होगा।

# फोर्टिस अस्पताल को बम से निशाना बनाने वाली ईमेल निकली अफवाह

पंचकूला ऑजर्वर

**चंडीगढ़/** मोहाली। ईमेल के द्वारा बम की धमकी मिलने के बाद आज फोर्टिस अस्पताल मोहाली में एक व्यापक तलाशी मुहिम चलाई गई और जिस दौरान कुछ भी शक्की नहीं मिला। यह जानकारी सुपरडैंट आफ पुलिस ( एस.पी.) सिटी मोहाली दिलप्रीत सिंह ने पुष्टि करते दी।

यह धमकी एक स्कूल की आधिकारिक ईमेल आई.डी. से लगभग 8 बजे मिली थी। एस.पी. सिटी दिलप्रीत सिंह ने बताया कि धमकी वाली ईमेल में फोर्टिस अस्पतालों मोहाली को निशाना बनाने के इरादे का जिक्र किया गया था। इस पर तत्काल कार्यवाही करने के लिए पुलिस हैडक्वाटर, रेंज दफ्तर और मोहाली पुलिस की एंटी साबोटाज टीमें, बम निरोधक दस्तों समेत तुरंत हस्पताल में पहुंच गई। क्योंकि धमकी स्कूल के ईमेल आईडी के द्वारा आई थी, इस लिए सावधानी के तौर पर विद्यार्थियों और स्टाफ की सुरक्षा को यकीनी बनाने के लिए न?दीक के सभी स्कूलों की भी अच्छी तरह जांच की गई। एस.पी. ने पुष्टि करते कहा कि सभी संभावी स्थानों की व्यापक जांच के बाद कोई भी शक्की पदार्थ या वस्तु नहीं मिली। इस लिए यह धमकी झूठी या गुमराहकुन लगती है और स्थिति पूरी तरह काबू में है। एस.पी. दिलप्रीत सिंह ने कहा कि उक्त ईमेल आईडी के असली स्रोतों की शिनाख्त के लिए आगे वाली जांच की जा रही है। इस दौरान, लोगों को शांत रहने और आधिकारियों के साथ सहयोग करने की अपील की।

उन्होंने नागरिकों को बिना किसी देरी से किसी भी शक्की गतिविधि की रिपोर्ट न?दीकी पुलिस थाने में करने की अपील भी की।

# दिल्ली स्थित पंजाब भवन में लगाई गई 20 प्रसिद्ध लेखकों और विद्वानों की तस्वीरें

पंचकूला ऑजर्वर

**चंडीगढ़।** भाषा विभाग पंजाब द्वारा पिछले साल से दिल्ली स्थित पंजाब भवन में पंजाबी के प्रसिद्ध लेखकों और विद्वानों की तस्वीरें स्थापित करने का कार्य शुरू किया गया था। अब तक पहले लगाई गई लगभग 40 तस्वीरों के बाद आज 20 और स्वर्गीय लेखकों तथा विद्वानों की तस्वीरें लगाई गई हैं, जिनमें प्रिंसिपल तेजा सिंह, ज्ञानी सोहन सिंह सीतल, डॉ. दीवान सिंह कालेपानी, प्रिंसिपल सुजान सिंह, स. जसवंत सिंह कंवल, स. नानक सिंह, डॉ. हरभजन सिंह, श्रीमती दलीप कौर टिवाणा, श्री बलराज साहनी, बाबा बुद्ध सिंह, श्रीमती सुखवंत कौर मान, स. महिंदर सिंह सरना, जनाब दीपक जैतोई, महिंदर कौर गिल, श्री राम सरूप अनखी, डॉ. रतन सिंह जग्गी, श्री मोहनजीत, श्री परमिंदरजीत और प्रो. अजमेर औलख शामिल हैं।

ये तस्वीरें पंजाब भवन के बी ब्लॉक के प्रवेश हॉल और ऊपरी मंजिलों के बरामदों में लगाई गई हैं। श्री रजिंदर सिंह के नेतृत्व में पंजाब भवन के कर्मचारियों द्वारा यह कार्य भाषा विभाग के डायरेक्टर स. जसवंत सिंह ?फर और डिप्टी डायरेक्टर श्री आलोक चावला की निगरानी में किया गया। इससे पहले विभाग के अधिकारियों द्वारा प्रिंसिपल रेजिडेंट कमिश्नर डॉ. एस करुणा राजू से मुलाकात करके पंजाब भवन में पंजाबियत को अधिक प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शित करने के लिए विचार-विमर्श किया गया था। डिप्टी रेजिडेंट कमिश्नर श्रीमती आसिता शर्मा ने कहा कि आने वाले समय में भाषा विभाग की स्थानीय लाइब्रेरी की मरम्मत का कार्य पूरा कराकर इसे यहां आने और ठहरने वाली व्यक्तित्वों के लिए आकर्षक बनाया जाएगा।

# 12 साल बाद किला रायपुर ग्रामीण ओलंपिक में लौटी बैलगाड़ी दौड़, कृषि मंत्री खुड्डियां ने किया उद्घाटन

पंचकूला ऑजर्वर

**चंडीगढ़।** किला रायपुर ग्रामीण ओलंपिक-2026 मंगलवार को लुधियाना में बहुत उत्साह और धूमधाम के साथ शुरू हुआ, जो 12 साल के अंतराल के बाद प्रसिद्ध बैलगाड़ी की दौड़ों के पुनरुत्थान को दर्शाता है। इन खेलों का उद्घाटन पंजाब के कैबिनेट मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने गांव किला रायपुर के खेल स्टेडियम में किया। इन विश्व-प्रसिद्ध बैलगाड़ी की दौड़ों के फिर से शुरू होने से लोगों/दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ी। जिससे दर्शक पंजाब और बाहर से इस रोमांचक खेल को देखने पहुंचे, जो राज्य की ग्रामीण विरासत में गहराई से जुड़े हुये हैं। विधायक जीवन सिंह संगोवाल और डॉ. के. एन. एस. कंग के साथ कैबिनेट मंत्री खुड्डियां ने बैल-गाड़ियों की दौड़ों के सांस्कृतिक महत्व को उजागर करते हुए कहा कि यह पंजाब के ऐतिहासिक और पारंपरिक ग्रामीण जड़ों से मजबूत संबंध रखती हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान को पंजाब विधानसभा में 'जानवरों पर अत्याचार की रोकथाम (पंजाब संशोधन) अधिनियम, 2025' को सर्वसम्मति से पारित और लागू करके इस पुनरुत्थान को संभव बनाने का श्रेय दिया, जिसने जानवरों के लिए सुरक्षा मानक पेश किए, कानूनी बाधाओं को दूर किया और इन बैलगाड़ी की दौड़ों को फिर से शुरू करने का रास्ता साफ किया।

कैबिनेट मंत्री ने उम्मीद जताई कि किला रायपुर ग्रामीण ओलंपिक पंजाब भर में एक मजबूत खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करने और राज्य के हर कोने से छिपी प्रतिभा को उजागर करने में मुख्य भूमिका निभाएगा। उन्होंने इन खेलों का समर्थन करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि ओलंपिक और अन्य प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक प्राप्त करने वालों के लिए नकद इनामों में काफी वृद्धि की गई है। इसके अलावा ओलंपिक पदक विजेताओं को पंजाब सिविल सेवाएं (पी.सी.एस.) और पंजाब पुलिस सेवाएं (पी.पी.एस.) में प्रतिष्ठित सरकारी नौकरियां प्रदान की गई हैं। मंत्री खुड्डियां ने आगे कहा कि सरकार ने पूरी तरह योग्यता के आधार पर लगभग 64,000 सरकारी नौकरियां प्रदान की हैं, जिससे भर्ती में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित की गई है।

उन्होंने राज्य के प्रमुख बुनियादी ढांचे की उपलब्धियों की ओर भी इशारा किया, जिसमें लगभग 40,000 किलोमीटर सड़कों के निर्माण और अपग्रेड का ऐतिहासिक प्रोजेक्ट शामिल हैं। इसके अलावा सरकार ने पिछले चार वर्षों में प्रति घर 600 यूनिट मुफ्त बिजली प्रदान की है, जिससे 90 प्रतिशत परिवारों के बिजली बिल जीरो आए हैं, जिससे इन निवासियों को काफी राहत मिली है। गुरमीत सिंह खुड्डियां ने पशु अस्पताल के लिए 30 लाख रुपये की ग्रांट की घोषणा की ताकि क्षेत्र में पशुओं के लिए उच्च-गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवाएं सुनिश्चित की जा सकें।

अतिरिक्त उपायुक्त (ग्रामीण विकास) अमरजीत बैंस, एस.डी.एम. जसलीन कौर भुल्लर, जिला खेल अधिकारी कुलदीप चुग, किला रायपुर स्पोर्ट्स सोसाइटी के प्रतिनिधि और पंजाब भर से आए अन्य प्रमुख व्यक्तित्व मौजूद थे।

# 4 हजार रिश्वत लेते जूनियर इंजीनियर गिरफ्तार

पंचकूला ऑजर्वर

**चंडीगढ़।** पंजाब विजीलैंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार को रोकने के मद्देनजर चलाई जा रही मुहिम के अंतर्गत पी.एस.पी.सी.एल. दफ्तर जिला फाजिल्का में तैनात जूनियर इंजीनियर स्वर्न सिंह को 4000 रुपए रिश्वत लेती रंगे हाथों काबू किया है।

आज यहां यह जानकारी देते राज्य विजीलैंस ब्यूरो के वक्ता ने बताया कि उक्त दोषी को गांव गगन के जिला फाजिल्का के एक निवासी की तरफ से दर्ज करवाई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है।बवक्ता ने कहा कि शिकायतकर्ता कृषि का काम करता है और उसके पारिवारिक सदस्य ने बिजली मीटर में खराबी होने के कारण बिजली फिर चालू करने के लिए बिजली की तार मेन स्पलाई के साथ सीधी ही जोड़ दी थी। इस मामले की जांच के लिए आरोपी स्वर्न सिंह जूनियर इंजीनियर पी.एस.पी.सी.एल फाजिल्का मौके पर पहुंचा और उसने शिकायतकर्ता खिलाफ बिजली चोरी का केस दर्ज करने की धमकी दी। इसके बाद, शिकायतकर्ता उक्त जूनियर इंजीनियर को उसके दफ्तर में मिला, जहां उसने मामले को रफा- दफा करने के लिए शिकायतकर्ता से 5000 रुपए रिश्वत मांगी। शिकायतकर्ता ने 5000 रुपए रिश्वत मांगने वाली वह बातचीत बतौर सबूत रिकार्ड कर ली।

## एक नजर

### डीएवी गर्ल्स कॉलेज के इंडियन नॉलेज सिस्टम सेल व योग विभाग के संयुक्त तत्वावधान में ध्यान योग शिविर आयोजित

**यमुनानगर.** डीएवी गर्ल्स कॉलेज के इंडियन नॉलेज सिस्टम सेल व योग विभाग के संयुक्त तत्वावधान में ध्यान योग शिविर का आयोजन किया गया। अध्यक्षता कॉलेज की कार्यवाहक प्रिंसिपल डॉ सुरिंद्र कौर, इंडियन नॉलेज सिस्टम सेल कनवीनर डॉ किरण शर्मा व योग विभाग अध्यक्ष डॉ रंजना ने की। ब्रह्मचारिणी साक्षी ने छात्राओं को योग ध्यान का अभ्यास करवाया। साक्षी ने छात्राओं को हमेशा खुश रहने का आह्वान किया। साथ ही जीवन में सकारात्मकता बनाए रखें। छात्राओं को पावर प्लस मंत्र की जानकारी दी। जिसके तहत छात्राओं को ओम अर्हम् का अभ्यास करवाया। उन्होंने बताया कि वैश्विक शांति के लिए इस मंत्र का विशेष महत्व है। इस दौरान दौरान उन्होंने एक्टिविटी प्रैक्टिस, रिलेक्सेशन प्रैक्टिस, हिलिंग व पंचमुद्रा अभ्यास करवाया। इसे बाद ध्यान करवाया। डॉ किरण शर्मा ने कहा कि जीवन में ध्यान का विशेष महत्व है। ध्यान का अभ्यास करने के लिए प्रेरित किया। किसी भी चीज के लिए प्रयास करने या तो सफलता मिलेगी, अगर नहीं मिली तो अनुभव अवश्य मिलेगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ गुरशरन कौर, डॉ स्मृति शर्मा, नैना, गुरमीत, साक्षी व सान्या, सुशील जैन, मैडम वर्षा ने सहयोग दिया।

### सफल स्टार्टअप के लिए सही समस्या की पहचान जरूरी: जसमीत कौर

**यमुनानगर.** डीएवी गर्ल्स कॉलेज के इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल के तत्वावधान में समस्या समाधान फिट विषय पर एक प्रेरणादायक कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता इनोवेशन एंबेसडर जस्मीत कौर व वैशाली रहीं। कॉलेज की कार्यवाहक प्रिंसिपल डॉ सुरिंद्र कौर व आईआईसी कनवीनर विवेक ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को यह समझाना था कि किसी भी सफल स्टार्टअप की नींव वास्तविक समस्या की सही पहचान और उसके उपयुक्त समाधान में निहित होती। जस्मीत कौर ने कहा कि कई स्टार्टअप्स इसलिए असफल हो जाते हैं क्योंकि वे समस्या को पूरी तरह समझे बिना समाधान तैयार कर लेते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि किस प्रकार एयरबीएनबी ने यात्रियों को सस्ती और सुविधाजनक आवास व्यवस्था उपलब्ध कराकर एक बड़ी समस्या का समाधान किया, वहीं उबर ने परिवहन की कठिनाइयों को सरल बनाकर वैश्विक पहचान बनाई। वैशाली ने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि नवाचार की शुरुआत सहानुभूति से होती है। जब तक हम लोगों की वास्तविक परेशानियों को गहराई से नहीं समझेंगे, तब तक प्रभावी समाधान संभव नहीं है। उन्होंने पहले समस्या को समझो, फिर समाधान सोचो के सिद्धांत पर विशेष बल दिया। कार्यशाला के दौरान इंटरैक्टिव गतिविधियाँ भी आयोजित की गईं, जिनमें छात्राओं ने कॉलेज परिसर एवं दैनिक जीवन से जुड़ी समस्याओं की पहचान की और उनके व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत किए। कुछ छात्राओं ने कैंपस में प्लास्टिक उपयोग कम करने तथा डिजिटल नोट्स शेयरिंग प्लेटफॉर्म जैसे अभिनव विचार साझा किए। कार्यक्रम के सफल आयोजन में ममता थापर, मनीका सेठी, शैली तथा नेहा ठाकुर ने सहयोग दिया।

### 9वें बलराज गुप्ता स्मृति वरिष्ठ टेनिस प्रतियोगिता का भव्य समापन, तेजली खेल परिसर में रोमांचक युगल मुकाबले संपन्न

**यमुनानगर.** तेजली स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, यमुनानगर में आयोजित 9वीं बलराज गुप्ता मेमोरियल सीनियर्स टेनिस टूर्नामेंट का आज रोमांचक अंतिम मुकाबलों के साथ सफलतापूर्वक समापन हो गया। विभिन्न आयु वर्गों में खेले गए युगल मुकाबलों ने दर्शकों को अंत तक बांधे रखा। देश के अलग-अलग राज्यों से पहुंचे खिलाड़ियों ने पूरे आयोजन के दौरान उत्कृष्ट खेल भावना और प्रतिस्पर्धात्मक प्रदर्शन का परिचय दिया। अंतिम मुकाबलों में 80 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के युगल में विजेंद्र चौहान और तुषार शर्मा की जोड़ी ने लोकेश चुघ और राज कुमार को 8-6 से पराजित कर खिताब जीता। 100 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में तुषार शर्मा और प्रदीप वालिया ने सुनील सूद और राज कुमार को 8-7 से हराया। 120 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में हेम चंद्र और पवन जैन ने राजन बेरी और अजय गोसाई को 8-5 से पराजित कर विजेता बनने का गौरव हासिल किया। महिला युगल मुकाबले में स्मृति पुनयानी और सिद्धि ने ईशा और सोनिया को 7-6 से शिकस्त देकर खिताब अपने नाम किया। सभी मुकाबले अत्यंत प्रतिस्पर्धात्मक रहे और खिलाड़ियों ने बेहतरीन तालमेल तथा अनुभव का प्रदर्शन किया। समापन अवसर पर विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी और नगद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। पुरस्कार जेवाईटीए के संरक्षक राज चावला एवं सुभाष टंडन द्वारा प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन जेवाईटीए के उपाध्यक्ष (प्रतियोगिता) आदित्य चावला ने किया। प्रतियोगिता निदेशक सुमीत गुप्ता ने कहा कि यह आयोजन केवल खेल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि वरिष्ठ खिलाड़ियों के लिए आपसी भाईचारे और सौहार्द को सुदृढ़ करने का मंच है। उन्होंने बताया कि देशभर से खिलाड़ियों की भागीदारी आयोजन की लोकप्रियता और सफलता का प्रमाण है तथा भविष्य में इसे और व्यापक स्तर पर आयोजित किया जाएगा। जेवाईटीए के अध्यक्ष कपिल गुप्ता और महासचिव वरुण गर्ग ने भी सभी खिलाड़ियों, आयोजकों, प्रायोजकों और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन यमुनानगर को राष्ट्रीय खेल परिदृश्य पर विशिष्ट पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

### बैंक शाखा बंद होने से सैकड़ों बुजुर्गों की पेंशन पर लगा ब्रेक, पार्षद अंकुर कौशिक ने लगाई गुहार

**भिवानी.** भिवानी नगर परिषद के वार्ड संख्या 5 से पार्षद अंकुर कौशिक ने शहर के सैकड़ों बुजुर्गों, विधवाओं और दिव्यांगों की रुकी हुई पेंशन का मुद्दा उठाते हुए समाधान शिविर में शिकायत दी है। बैंक की एक शाखा के बंद होने और उसके दूसरी शाखा में विलय के कारण तकनीकी खामियों की वजह से पिछले 2-3 महीनों से लाभार्थियों को पेंशन नहीं मिल पा रही है, जिससे उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। पार्षद अंकुर कौशिक ने कहा कि सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की एक शाखा जो पिछले 40-45 वर्षों से जालान अस्पताल में संचालित थी, उसे हाल ही में बंद कर घंटा घर शाखा में विलय कर दिया गया है। इस विलय के कारण बैंक का आईएफएससी कोड बदल गया। चूंकि वार्ड नंबर 4, 5, 6 और 7 के अधिकांश पेंशनभोगियों के खाते इसी शाखा में थे, इसलिए फैमिली आईडी में पुराने बैंक विवरण होने की वजह से अधिकत्तर बुढ़ापा, विधवा और दिव्यांग पेंशन रुक गई है तथा जिन बुजुर्गों की पेंशन आई है, वो भी एक माह की ही आई है। पार्षद अंकुर कौशिक ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि बैंक शाखा का बंद होना और आईएफएससी कोड बदलना एक तकनीकी प्रक्रिया है, जिसमें गरीब और बुजुर्ग लाभार्थियों की कोई गलती नहीं है। पिछले 3 महीनों से इन बुजुर्गों को पेंशन नहीं मिली है, जो उनके जीवन निर्वाह का एकमात्र सहारा है। प्रक्रिया इतनी जटिल है कि पहले फैमिली आईडी में अपडेट की रिक्वेस्ट लगानी पड़ती है. फिर समाज कल्याण विभाग में फॉर्म जमा करना पड़ता है।

# छोटी काशी में गूंजा हिंदुत्व का शंखनाद

## महाबली भीम बस्ती में भव्य हिंदू सम्मेलन संपन्न

पंचकूला ऑब्जर्वर संवाददाता

**भिवानी.** छोटी काशी के नाम से विख्यात भिवानी के डा. भीमराव अंबेडकर उपनगर स्थित महाबली भीम बस्ती में बीते 14 फरवरी को एक अभूतपूर्व दृश्य देखने को मिला। बाबा जहरगिरी आश्रम के प्रांगण में महंत डा. अशोकगिरी महाराज के सानिध्य में सर्व समाज द्वारा एक हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ना केवल स्थानीय निवासी, बल्कि भारी संख्या में कावड़िए, मातृशक्ति और बच्चों ने हिस्सा लेकर सामाजिक एकजुटता का परिचय दिया। सम्मेलन का मुख्य आकर्षण पंच परिवर्तन विषय रहा, जिसमें समाज के प्रबुद्ध वक्ताओं ने पांच महत्वपूर्ण स्तंभों पर अपने विचार साझा किए। लिटिल हार्ट स्कूल के संस्थापक पवन गोयल ने परिवार के महत्व और संस्कारों पर जोर दिया। वैश्य कॉलेज की डायरेक्टर प्रोमिला सुहाग ने देश के प्रति नागरिकों की जिम्मेदारियों को रेखांकित किया। प्रवक्ता राकेश रोहिला ने आत्मनिर्भर भारत के लिए स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने का आह्वान किया। विभाग शारीरिक प्रमुख सुनील ने संघ की विचारधारा और समाज



को एक सूत्र में पिरोने के विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के मार्गदर्शक श्री महंत डा. अशोकगिरी महाराज ने प्रकृति संरक्षण और पर्यावरण की रक्षा को धर्म का अभिन्न अंग बताया।

कार्यक्रम की शुरुआत महंत जी द्वारा दीप प्रज्वलन और गणेश वंदना से हुई। इसके बाद मंच पर प्रतिभा का अनूठा संगम दिखा। इस दौरान युवाओं द्वारा आत्मरक्षा के ट्रिक्स और योग का शानदार डेमो दिया गया। वही फौजी की कहानी पर आधारित गीत और प्रस्तुति ने दर्शकों की आंखें नम कर दीं। कार्यक्रम का समापन भक्तिमय शिव वंदना और भगवा ध्वज को ससम्मान उतारने के साथ हुआ। कार्यक्रम का कुशल संचालन आशुतोष अध्यापक द्वारा किया गया। वहीं, पूरी व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने में मुकेश अग्रोहिया, अजेंद्र और आनंद जी की मुख्य भूमिका रही। वक्ताओं का सम्मान विजय अग्रोहिया, अश्वनी, विक्रम, राजकुमार और इंदुबाला जी द्वारा शॉल भेंट कर किया गया।

सम्मेलन के पश्चात रात्रि 8 से 10 बजे तक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। श्री महंत डॉ. अशोक गिरी जी महाराज के नेतृत्व में आयोजित इस भोज में सर्व हिंदू समाज ने एक साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण किया, जो सामाजिक समरसता की एक जीवंत मिसाल बना। कार्यक्रम उपरांत 5 वक्ताओं द्वारा बच्चों को पुरस्कार के रूप में ट्रॉफी एवं नकद रुपए, जिसमें सभी ग्रुप प्रस्तुति बच्चों को प्रोत्साहन हेतु 1100 रुपए एवं सिंगल प्रस्तुति करने वाले बच्चों को 500 रुपए वितरित किए गए।

## सीबीएलयू में एनएसयूआई जिला अध्यक्ष मनजीत लांग्यान से बदसलूकी पर बवाल

**भिवानी.** चौ. बंसीलाल विश्वविद्यालय एक बार फिर विवादों के घेरे में है। बीते 28 जनवरी को परिसर में हुई एक घटना ने अब एक बड़े सामाजिक और राजनीतिक आंदोलन का रूप ले लिया है। एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष मंजीत लांगयान के साथ कथित दुर्व्यवहार को लेकर छात्रों में भारी रोष है। एनएसयूआई का आरोप है कि यह केवल एक व्यक्ति के साथ हुई बदसलूकी नहीं, बल्कि दलित, पिछड़ो और गरीब वर्ग के उन छात्रों की आवाज़ को दबाने की कोशिश है जो अपने अधिकारों के लिए लड़ रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार एनएसयूआई कार्यकर्ताओं द्वारा विश्वविद्यालय में व्याप्त परीक्षा परिणामों की अनियमितताओं और री-चेकिंग प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी जैसे मुद्दों को लेकर एक शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया जा रहा था। प्रदर्शनकारियों का दावा है कि जब मंजीत लांगयान छात्रों की समस्याओं को प्रशासन के समक्ष रख रहे थे, तब उन्हें न केवल बोलने से रोका गया, बल्कि उनके साथ शारीरिक अभद्रता भी की गई। आरोप है कि यहां राजनीति नहीं करने दी जाएगी, कहते हुए उनका गला पकड़ा गया और छात्राओं की उपस्थिति में अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया गया। घटना के कई दिन बीत जाने के बाद भी विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान या कार्रवाई ना होना चर्चा का विषय बना हुआ है।

## मुख्यमंत्री सैनी ने पेश किया उपलब्धियों का शक्ति पत्र

पंचकूला ऑब्जर्वर संवाददाता

**चंडीगढ़।** हरियाणा विधानसभा के 20 फरवरी से शुरू होने वाले बजट सत्र से पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश की आर्थिक सेहत और विकास की रफ्तार का एक व्यापक खाका पेश किया है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि हरियाणा अब केवल सामान्य विकास नहीं कर रहा, बल्कि विकसित हरियाणा-2047 के विजन को धरातल पर उतारने के लिए तैयार है। उन्होंने विपक्ष के समय के खर्चों की तुलना में अपनी सरकार के निवेश को तीन गुना बताते हुए आंकड़ों के साथ अपनी बात रखी। आर्थिक मोर्चे पर ऐतिहासिक ब ?त: मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि वर्ष 2025-26 में हरियाणा की जीडीपी पिछले वर्ष के मुकाबले 12.67 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। पिछले 10 वर्षों में राय की प्रति व्यक्ति आय में लगभग ढाई गुना की वृद्धि हुई है, जिससे हरियाणा आज देश के शीर्ष पांच रायों में शामिल हो गया है। साथ ही, 16वें वित्त आयोग की सिफारिशों के बाद केंद्रीय करों में हरियाणा का हिस्सा 24.52 प्रतिशत की ऐतिहासिक वृद्धि के साथ बढ़कर 1.361 प्रतिशत हो गया है। रोजगार और युवाओं पर फोकस: मुख्यमंत्री ने युवाओं को बड़ा संदेश देते हुए बताया कि नई कैबिनेट के गठन के साथ ही 25,573 युवाओं को सरकारी पदों पर नियुक्तियां दी गई हैं। वर्ष 2023-24 तक प्रदेश में लगभग 27 लाख लोगों को रोजगार के नए अवसर मिले हैं। शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि बताते हुए उन्होंने कहा कि जहां 2005-2014 के बीच केवल 45 विश्वविद्यालय थे, वहीं 2015-2025 के दौरान 80 नए विश्वविद्यालय स्थापित किए गए हैं।

217 में से 60 वादे पूरे सरकार की कार्यकुशलता पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि चुनावी संकल्प पत्र के 217 वादों में से 60 वादे पूरे किए जा चुके हैं और 120 पर कार्य युद्धस्तर पर जारी है। वर्ष 2025-26 की 248 घोषणाओं में से 77 बजट घोषणाओं को सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। हरियाणा देश का इकलौता राय है जहाँ 24 फसलें स्र्स्क्र पर खरीदी जा रही हैं। लाडो लक्ष्मी योजना के जरिए महिलाओं को ?2100 की अनुदान राशि दी जा रही है। सभी जिला अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में किडनी रोगियों के लिए मुफ्त डायलिसिस सेवा शुरू कर दी गई है। उद्योग और निर्यात में डंका: मुख्यमंत्री ने बताया कि अप्रैल 2024 से मार्च 2025 के बीच हरियाणा का कुल निर्यात 19.10 बिलियन यूएस डॉलर रहा है। एमएसएमई (स्र्स्स्ध) सेक्टर में 20 लाख से अधिक पंजीकरण हुए हैं, जो औद्योगिक मजबूती को दर्शाता है। साथ ही, उद्योग और श्रमिकों के बीच बेहतर समन्वय के लिए उद्योग श्रमिक मैत्री परिषद का गठन किया गया है।

## सीवरेज और पेयजल पाइप लाइन टूटती है तो उसको तुरंत प्रभाव से ठीक करें : एसडीएम

**भिवानी.** डीसी साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन में लघु सचिवालय परिसर स्थित डीआरडीए सभागार में सोमवार को समाधान शिविर आयोजित हुआ। शिविर में एसडीएम महेश कुमार ने नागरिकों की समस्याएं सुनी। उन्होंने विशेषकर नगर परिषद और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सडक निर्माण या नाले आदि को दुरुस्त करने के दौरान यदि कहीं पर सीवर या पेयजल पाइपलाइन टूटती है तो उसके बारे में तुरंत प्रभाव से जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को सूचित करें ताकि पेयजल लाइन को उसी समय पर ठीक किया जा सके। इसके साथ-साथ उन्होंने नगर परिषद और पंचायत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे कहीं पर भी अतिक्रमण ना होने दें। बार-बार नोटिस देने के बाद भी यदि कोई अतिक्रमण नहीं हटाते हैं तो उनके खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि समाधान शिविर में आने वाली शिकायतों पर ठोस कार्रवाई करें।

समाधान शिविर में एसडीएम के समक्ष पूर्व पार्षद ईश्वर मान ने तालु-मुंढाल लिंक रोड़ पर झांडियों की सफाई करवाने की समस्या रखी। इसके साथ ही उन्होंने तालु माईनर की सफाई होने व जलघर में पर्याप्त पानी आने पर जिला प्रशासन का आभार जताया। सुनील वर्मा नंबरदार ने हांसी गेट और घंटाघर के आसपास से अतिक्रमण हटवाने, प्रताप ने वार्ड नंबर चार में सीवरेज समस्या दुरुस्त करवाने, उमेद, राजवीर और नरेश ने 134 के तहत हुए दाखिलों की फीस माफी से संबंधित, पूर्ण चंद ने पीआईडी में नाम ठीक करवाने, सुरेश सैनी ने दादरी गेट से ढाणा रोड पर नाले को दुरुस्त करवाने और जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा समस्याएं सुनने के लिए टोल फ्री नंबर जारी करवाने, प्रवीण कुमार ने नियमों के विरुद्ध बने मैरिज पैलेस पर कार्रवाई करवाने, रणदीप ने विवाह समारोह में रात 10֊00 बजे के बाद विवाह समारोह स्थल पैलेश में बजने वाले लाउडस्पीकर, डीजे या पटाखों पर प्रतिबंध लगवाने बारे शिकायत रखी।

इसी प्रकार से एसडीएम के समक्ष भगवान दास कालिया ने दिव्यांगजन का कार्ड और पेंशन बनवाने तथा ढाणा रोड, दादरी गेट चौक और हनुमान गेट क्षेत्र में पेयजल सप्लाई वॉल की जगह को सही जगह करवाने आदि समस्याएं रखी। गांव जताई निवासी दलबीर ने मुंढाल, तालु, जताई, बवानीखेड़ा व तोशाम बस सेवा को फिर से शुरू करने और उनके गांव में फिरनी पर पेयजल पाइप लाइन बदलने की मांग रखी।

एसडीएम ने नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। इस मौके पर सभी संबंधित विभागों के अधिकारी और गैर सरकारी सदस्य रामकिशन हलवासिया, सुनील वर्मा नंबरदार, केके ग्रोवर और नरेंद्र ग्रेवाल भी मौजूद रहे।

## बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में 'स्वयं दिवस' कार्यशाला, डिजिटल शिक्षा और क्रेडिट ट्रांसफर पर छात्रों को दी विस्तृत जानकारी



**भिवानी,अनिल यादव.** बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के फिजियोथेरेपी संकाय द्वारा स्वयं दिवस- एक जागरूकता कार्यक्रम शीर्षक से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों को राष्ट्रीय ऑनलाइन शिक्षण प्लेटफार्मों के प्रति जागरूक करना और डिजिटल माध्यम से उपलब्ध शैक्षणिक अवसरों की जानकारी देना रहा। इस कार्यशाला का आयोजन एमओओसी और स्वयं प्रकोष्ठ ने आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के सहयोग से किया।

कार्यक्रम में फिजियोथेरेपी संकाय के लगभग 120 छात्रों और शिक्षकों ने भाग लिया।

कार्यशाला का आयोजन कुलपति प्रो. (डॉ.) बी. एम. यादव और रजिस्ट्रार प्रो. (डॉ.) विनोद कुमार के मार्गदर्शन में हुआ। विश्वविद्यालय में डिजिटल शिक्षण प्लेटफार्मों को नियमित शैक्षणिक प्रक्रिया से जोड़ने के प्रयासों को उनके निरंतर सहयोग से गति मिल रही है। इस अवसर पर डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. (डॉ.) नवीन कुमार मुख्य संसाधन व्यक्ति के रूप में उपस्थित रहे। अपने संबोधन में प्रो. नवीन कुमार ने स्वयं प्लेटफॉर्म की उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह मंच विद्यार्थियों को लचीले ढंग से पढ़ाई करने का अवसर देता है, जहां वे अपनी सुविधा के अनुसार पाठ्यक्रम चुन सकते हैं। उन्होंने पाठ्यक्रम में नामांकन की प्रक्रिया, पर्यवेक्षित परीक्षाओं की व्यवस्था और नि:शुल्क शैक्षणिक क्रेडिट अर्जित करने की जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि छात्र एनपीटीईएल पाठ्यक्रमों के माध्यम से आईआईटी द्वारा प्रमाणित प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकते हैं। स्वयं प्लेटफॉर्म के जरिए अर्जित क्रेडिट विश्वविद्यालय में हस्तांतरणीय होते हैं, जिससे छात्रों को संबंधित विषय की विश्वविद्यालय परीक्षा दोबारा देने की आवश्यकता नहीं पड़ती। इस जानकारी से छात्रों में विशेष उत्साह देखा गया। सत्र के दौरान एमओओसी से जुड़ी कई भ्रांतियों को भी स्पष्ट किया गया और विद्यार्थियों को अपनी शैक्षणिक योजना में इन पाठ्यक्रमों को शामिल करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में प्रो. (डॉ.) संगीता मलिक ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में स्वयं और अन्य ऑनलाइन प्लेटफार्मों की प्रासंगिकता पर चर्चा की।

### प्रजातंत्र का हनन बर्दाश्त नहीं करेंगे, हर स्तर पर ल?ाई के लिये तैयार : दीपेन्द्र हुड्डा

# कांग्रेस विधायक हंस पर दर्ज मुकदमे को बताया लोकतंत्र पर हमला

पंचकूला ऑब्जर्वर संवाददाता

**कैथल।** सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने गुहला चीका से कांग्रेस विधायक देवेंद्र हंस के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने पर गहरी नाराजगी जताते हुए मांग करी कि अगर लेशमात्र भी लोकतंत्र की मर्यादा है तो कांग्रेस विधायक देवेन्द्र हंस व अन्य लोगों के खिलाफ दर्ज मुकदमा तुरंत वापस लिया जाए और जनप्रतिनिधि की बात न सुनने वाले एसडीएम का तुरंत ट्रान्सफर किया जाए और इस मामले में निष्पक्ष जांच कराई जाए। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो बीजेपी सरकार के सभी मंत्रियों को झुनझुना दिया जाएगा। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि ये कैसा लोकतंत्र है



जहां जनता की आवाज और भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वाले पर ही मुकदमा कर दिया गया। दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि दुनिया में कहीं भी सरकार हमेशा एक पार्टी की नहीं रहती। एसडीएम को कभी न कभी अपनी कार्यप्रणाली पर जवाब देना होगा। उन्होंने सरकार को चेतावनी दी कि देश में संविधान का राज है। अगर एसडीएम को अधिकार है तो गुहला चीका से निर्वाचित जनप्रतिनिधि को भी अपनी बात कहने का अधिकार है। ऐसे में सरकार यदि ऐसा काम करेगी तो हर स्तर लड़ाई के लिये हम तैयार हैं। प्रजातंत्र का हनन बर्दाश्त नहीं करेंगे। पत्रकार वार्ता में मौजूद विधायक देवेन्द्र हंस ने विस्तार से पूरे मामले को बताया और इस मामले से जुड़े पूरे तथ्य रखे। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि हरियाणा की बीजेपी सरकार का प्रजातंत्र में कोई विश्वास नहीं है। गुहला चीका से कांग्रेस विधायक देवेन्द्र हंस ने एसडीएम को एक मांग पत्र दिया, जिसमें कहा गया था कि बिना सरकारी अनुमति के तेज रफ्तार से दुकाने बनायी जा रही हैं। लेकिन एसडीएम के संज्ञान में मामला लाने के बावजूद उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की ठेकेदार को खुली छूट देते हुए जानबूझकर कोई फैसला ही नहीं किया। मौजूदा एसडीएम की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह लगता है और इसमें भ्रष्टाचार की बू आती है। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि मौजूदा एसडीएम की कार्यशैली जनता और साथ ही एक निर्वाचित जनप्रतिनिधि का अपमान करने वाली है। जब विधायक देवेन्द्र हंस ने ईमानदारी से इलाके की आवाज उठायी तो एसडीएम ने उन्हें अनुसना कर दिया। विधायक खुद मौके पर गये तो उन्हें 1 घंटे से ज्यादा इंतजार कराया गया। बीस-बीस बार एसडीएम को फोन करने पर उन्होंने विधायक जी का फोन तक नहीं उठाया। अब एसडीएम राजनीतिक रूप से बयानबाजी कर रहे हैं। और तो और उल्टा चोर कोतवाल को डांटे की तर्ज पर सरकार के ईशारे पर उन्होंने विधायक देवेन्द्र हंस पर उलटा मुकदमा करवा दिया साथ ही विधायक जी के साथ मौजूद एक पत्रकार को भी नहीं बक्शा और पत्रकार के खिलाफ भी मुकदमा बनाया गया।

# ऋचा चड्ढा ने बयां किया करियर का शुरुआती अनुभव, भरोसेमंद व्यक्ति ने दिया था धोखा

अभिनेत्री और निर्माता ऋचा चड्ढा ने अपने करियर की शुरुआत के दौरान एक कड़वे अनुभव को साझा किया है। उन्होंने बताया कि जिस व्यक्ति पर वह बहुत भरोसा करती थीं, उसने उनके हितों के खिलाफ काम किया और उन्हें धोखा दिया था। ऋचा ने बताया कि इस घटना से उन्हें यह सबक मिला कि हर कोई आपका ध्यान नहीं रख सकता या आपके बारे में नहीं सोच सकता। ऋचा ने कहा, अपने करियर की शुरुआत में मुझे यह कड़वा सबक मिला कि हर कोई आपका इतना ध्यान नहीं रखता। मैं भोली थी। कुछ लोग थोड़े से अंतर से भी खतरा महसूस करते हैं और नहीं चाहते कि आप उनसे आगे निकल जाएं या उनकी स्पॉटलाइट छीन लें। यह अनुभव उनके लिए काफी परेशान करने वाला था, लेकिन इससे उन्होंने अपनी पसंद का बचाव करना और सही लोगों पर भरोसा करना सीखा। उन्होंने इंडिपेंडेंट फिल्ममेकर्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वह उनसे संपर्क करने में हिचकिचाएं नहीं। आम धारणा है कि बड़े एक्टर्स से अप्रोच करना मुश्किल होता है, लेकिन ऋचा ने इसे गलत बताया।

उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, एक सोच है कि हमसे संपर्क करना कठिन है, लेकिन यह सच नहीं। मेरे लिए सिर्फ अच्छी स्क्रिप्ट, सच्ची राइटिंग और कहानी का असर मायने रखता है। मैं हमेशा सही कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हूं। ऋचा ने शुरुआती दिनों में कम आंके जाने की बात भी कही। वह चाहती हैं कि इंडी क्रिएटर्स बिना झिझक के अच्छे रोल और कहानियों के लिए संपर्क करें।

ऋचा एक नई नॉन-फिक्शन सीरीज का निर्माण कर रही हैं। इसके जरिए ऋचा का मकसद दर्शकों को जानी-पहचानी जगहों को नई नजर से देखने के लिए प्रेरित करना है। साथ ही कम जानी-पहचानी कहानियों को उजागर कर भारत की सांस्कृतिक गहराई और इंसानी जज्बे को सेलिब्रेट करना है।

यह सीरीज ट्रैवल, कल्चर और भारत भर में लोगों और जगहों को परिभाषित करने वाली कहानियों पर आधारित होगी। यह जिज्ञासा और सहानुभूति से प्रेरित कहानी है। सीरीज भारत की विविधता समुदायों, परंपराओं और जीवन अनुभवों की कहानी को दिखाएगी। दर्शकों को आज के नजरिए से संस्कृति का जीवंत और इमर्सिव अनुभव मिलेगा।

# तिहाड़ जेल से राजपाल यादव रिहा, समर्थन के लिए देशवासियों का जताया आभार

अभिनेता राजपाल यादव तिहाड़ जेल से रिहा हो गए हैं। जेल से बाहर निकलने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि मुझे बॉलीवुड में काम करते हुए 30 साल हो गए हैं। देश के लोग हमारे साथ थे, तभी मैं इतनी फिल्में कर पाया हूं। मीडिया से बातचीत करते हुए राजपाल यादव ने कहा कि किस्सा 2012-13 में शुरू हुआ था। 2026 तक मैं 250 फिल्में कर चुका हूं। भारतीय सिनेमा से जुड़े बच्चे, बुजुर्ग और नौजवान मेरे कलेजे के टुकड़े हैं। सब मेरे साथ रहें। देश की जनता मेरे साथ रही। उन्होंने कहा कि इस मामले को लेकर कोर्ट से जो भी आदेश मिला, मैंने उसका पालन किया और उनके बुलाने पर हाजिर रहा हूं। आगे भी मैं उनके आदेशों का पालन करूंगा। राजपाल यादव ने कोर्ट का आभार जताया और कहा कि उन्होंने मेरी बात सुनी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को चेक बाउंस मामलों के संबंध में बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव की सजा पर अंतरिम निलंबन प्रदान किया। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की एकल-न्यायाधीश पीठ ने 18 मार्च तक उनकी जेल से रिहाई का आदेश दिया। यह आदेश शिकायतकर्ता कंपनी के बैंक खाते में 1.5 करोड़ रुपए जमा होने की सूचना मिलने के बाद दिया गया। राजपाल यादव को राहत देते हुए न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा, अगली सुनवाई की तारीख तक सजा को अंतरिम रूप से निलंबित किया जाए। आपको अदालत में उपस्थित होना चाहिए या वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहना चाहिए। हम किसी भी प्रकार की गड़बड़ी नहीं चाहते। इस मामले की अगली सुनवाई 18 मार्च को होगी और राजपाल यादव तब तक हिरासत से बाहर रहेंगे।

दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा 2 फरवरी को पारित एक आदेश में राजपाल यादव को 4 फरवरी को शाम 4 बजे तक संबंधित जेल अधीक्षक के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया गया था। इसके बाद राजपाल यादव ने अदालत के निर्देश का पालन करते हुए जेल अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया था।

## हर दिन को जीना चाहिए, कैंसर सर्वाइवर हिना खान ने बताया जिंदगी के प्रति अपना नजरिया

कैंसर सर्वाइवर टीवी एक्ट्रेस हिना खान हाल ही में सर एच.एन. रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल द्वारा आयोजित ऑन्कोलॉजी लीडरशिप टाउनहॉल इलुमिनेट 3.0 में पहुंची। अभिनेत्री ने कैंसर के बारे में लोगों को जागरूक किया और बताया कि कैंसर होने का मतलब सीधा मौत नहीं है; अगर समय पर स्क्रीनिंग और जांच हो जाए तो इस बीमारी से भी लड़ा जा सकता है। इसके अलावा, उन्होंने यह भी बताया कि पूरी जर्नी के दौरान और आज भी उनके पति रॉकी और उनके पूरे परिवार ने कैसे उनका साथ दिया है। इवेंट में पहुंची हिना खान ने मंच से कहा, मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे यहां सांस्कृतिक कार्यक्रम में आने का अवसर मिला है। डॉक्टरों के सहयोग से ही मैं आज यहां खड़ी हूं, और मेरे परिवार के प्यार और मेरे पति रॉकी की हिम्मत की वजह से ही मैं आज ठीक हूं। शादी के बाद भी हमारे रिश्ते में किसी तरह का कोई बदलाव नहीं आया, वे आज भी पहले की तरह ही देखभाल करते हैं। अपनी कैंसर जर्नी पर बात करते हुए हिना ने कहा, मैं काफी समय से इस जर्नी से गुजर रही हूं और आज भी रिकवर करने की कोशिश कर रही हूं। लोग मुझसे सवाल करते हैं कि आपने क्या किया, लेकिन ये जरूरी नहीं कि जो मैंने किया, वो हर किसी पर कारगर साबित हो क्योंकि सबकी बॉडी अलग होती है। मैं बस इतना कहना चाहूंगी कि लोगों को आज में जीना चाहिए। किसी भी हालत में खुश रहना चाहिए क्योंकि नहीं पता कब क्या हो जाए। जो लोग हेल्दी हैं, वो भी अचानक से बड़ी बीमारियों से ग्रस्त हो रहे हैं, तो हर पल को खुलकर जीना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, मैं वो हर चीज कर रही हूं जो मुझे करनी है। मैंने डॉक्टर से कहा कि मुझे आइसलैंड जाना है।

# परफेक्ट मुस्कान के पीछे उम्मीदों के बोझ को तलाशती संदीपा धर

मुंबई। ऐसी दुनिया में जहाँ परफेक्शन की सराहना तो होती है, लेकिन उसके पीछे छिपी भावनाओं को शायद ही कोई समझना चाहता है, वहां संदीपा धर दो दीवाने सहर में में नैना के एक बेहद संवेदनशील किरदार के साथ सामने आ रही हैं। नैना एक ऐसी युवती है, जो बाहर से पूरी तरह सुलझी हुई, आत्मविश्वासी और परफेक्ट दिखती है, लेकिन भीतर ही भीतर अपनी पहचान, अकेलेपन और अपेक्षाओं के बोझ से जूझ रही है।

विशेष रूप से सलीके से सजी मुस्कान और सहज अंदाज़ के पीछे छिपी एक ऐसी कहानी, जो अपने अस्तित्व के साथ हर हाल में ठीक दिखने की थकान को बयां करती है। अपने किरदार नैना के बारे में बात करते हुए संदीपा कहती हैं, नैना वो लड़की है, जिसमें हममें से बहुत से लोग खुद को देख सकते हैं। वो मुस्कुराती है, हर ज़िम्मेदारी निभाती है और बाहर से लगता है कि सब कुछ कंट्रोल में है। लेकिन अंदर ही अंदर वो खुद से कटी हुई है, जैसे वो अपनी ही ज़िंदगी में एक किरदार निभा रही हो और असली खुद को भूल चुकी हो। हालांकि आज के समय में ये दबाव बहुत आम बात है, जहां हर हाल में ठीक दिखने की अपेक्षा की जाती है, फिर चाहे आपके अंदर कुछ भी चल रहा हो।

फिल्म की भावनात्मक गहराई पर बात करते हुए संदीपा आगे कहती हैं, दो दीवाने सहर में मुझे इसलिए खास लगी क्योंकि यह नजरअंदाज होने की भावना को बेहद खूबसूरती से दिखाती है। कई बार जितना ज़्यादा आप परफेक्ट दिखते हैं, उतना ही मुश्किल हो जाता है ये स्वीकार करना कि अंदर कुछ टूट रहा है। सच खून तो नैना की जर्नी आईने के सामने खड़े होने और शायद पहली बार खुद से ईमानदार होने की है। अपने किरदार से जुड़ी उम्मीदों पर संदीपा कहती हैं, मुझे यकीन है कि फिल्म देखने के बाद लोग खुद से ये जरूर पूछेंगे कि दुनिया की उम्मीदों से परे वे कौन हैं? हालांकि मेरी कोशिश है कि वे खुद को देखा हुआ महसूस करें, क्योंकि हर शांत और सधे हुए चेहरे के पीछे एक कहानी होती है, जो हमेशा सुनी नहीं जाती। सच पूछिए तो 20 फरवरी को रिलीज़ हो रही फिल्म दो दीवाने सहर में के ज़रिए संदीपा धर दर्शकों को उन मुखौटों पर सवाल उठाने का, जिन्हें हम रोज़ पहनते हैं, और उन आईनों से सामना करने का, जिनसे हम अक्सर नज़रें चुरा लेते हैं का मौका देती हैं। इसी के साथ नैना की कहानी के माध्यम से यह फिल्म कई दिलों की सच्चाई को न सिर्फ सामने लाने की कोशिश करती है, बल्कि उन्हें थोड़ा सुकून भी देती है।

# मशहूर एक्ट्रेस प्रवीणा देशपांडे का 60 साल की उम्र में निधन

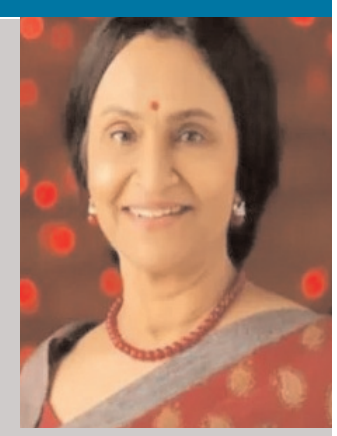

हिंदी और मराठी मनोरंजन जगत से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। अपनी बेहतरीन अदाकारी से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाने वाली मशहूर अभिनेत्री प्रवीणा देशपांडे का 60 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। वह साल 2019 से मल्टीपल मायलोमा (ब्लड कैंसर) जैसी गंभीर और जानलेवा बीमारी से मजबूती से जंग लड़ रही थीं, लेकिन आखिरकार 17 फरवरी को उन्होंने अंतिम सांस ली। दिवंगत अभिनेत्री के शोकाकुल परिवार ने उनके आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल के जरिए यह दिल दहला देने वाली खबर साझा की है। प्रवीणा देशपांडे का अंतिम संस्कार आज दोपहर 3 बजे मुंबई के अंधेरी ईस्ट स्थित चकला पारसीवाड़ा के एक हिंदू श्मशान घाट पर नम आंखों के बीच किया गया। उनके इस तरह चले जाने से सिनेमा और टीवी जगत को एक अपूरणीय क्षति हुई है।

प्रवीणा देशपांडे को हिंदी और मराठी सिनेमा में उनके बेहतरीन सपोर्टिंग और कैरेक्टर रोल्स के लिए हमेशा सम्मान के साथ याद किया जाएगा। यूं तो उन्होंने कई फिल्मों में काम किया, लेकिन दर्शकों के बीच उन्हें सबसे बड़ी पहचान सलमान खान की साल 2011 में आई ब्लॉकबस्टर फिल्म 'रेडी' से मिली। इस फिल्म में उनके द्वारा निभाए गए 'शालू चौधरी' के किरदार ने लोगों के दिलों पर एक गहरी छाप छोड़ी थी। इसके अलावा उन्होंने जॉन अब्राहम के साथ फिल्म 'परमाणु', सिद्धार्थ मल्होत्रा स्टारर 'एक विलेन' और 'जलेबी' जैसी कई हिट फिल्मों में अपने शानदार अभिनय का लोहा मनवाया। लीड रोल न होने के बावजूद उनकी स्क्रीन प्रेजेंस और एक्टिंग की गहराई हमेशा दर्शकों को बांधे रखती थी। बड़े पर्दे के साथ-साथ टेलीविजन की दुनिया में भी प्रवीणा देशपांडे ने खूब शोहरत हासिल की थी। छोटे पर्दे पर 'घर एक मंदिर', 'कुमकुम', 'करम अपना अपना' और 'कुल्फी कुमार बाजेवाला' जैसे कई सुपरहिट और मशहूर सीरियल्स में उन्होंने अहम भूमिकाएं निभाईं। डेली सोप में उनके द्वारा निभाए गए मां और अन्य मजबूत सपोर्टिंग किरदारों ने उन्हें घर-घर में एक जाना-पहचाना नाम बना दिया था। खासतौर पर फैमिली ऑडियंस के बीच उनकी एक अलग और बहुत खास फैन फॉलोइंग थी। प्रवीणा देशपांडे ने टेलीविजन और फिल्मों की चकाचौंध में कदम रखने से पहले अपने कलात्मक सफर की शुरुआत थिएटर के मंच से की थी, जिसने उनके अभिनय की नींव को बेहद मजबूत बनाया। उनके आखिरी प्रोजेक्ट्स की बात करें तो उन्होंने नीरज पांडे द्वारा निर्देशित और इमरान हाशमी स्टारर 2026 की क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज 'तस्करी' में एक अहम कैमियो किया था, जो रिलीज के हिसाब से उनका आखिरी ऑन-स्क्रीन अपीयरेंस रहा। इसके अलावा रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने मशहूर वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' के बहुप्रतीक्षित सीजन 3 की शूटिंग भी पूरी कर ली थी। इस सीरीज में उन्होंने मनोज बाजपेयी के किरदार की मां का अहम रोल निभाया है, जिसके जरिए फैंस उन्हें एक आखिरी बार पर्दे पर अभिनय करते हुए देख सकेंगे।

# प्रेग्नेंसी ग्लो से चमक उठा सुरभि ज्योति का चेहरा, ग्रीन सूट में फ्लॉन्ट किया बेबी बंप

टीवी जगत की मशहूर अभिनेत्री सुरभि योति मां बनने वाली हैं। उन्होंने कुछ समय पहले ही इस बात की जानकारी दी थी। मंगलवार को अभिनेत्री ने बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए शानदार तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में सुरभि ग्रीन कलर के सूट में बेहद आकर्षक नजर आ रही हैं। उन्होंने अपना पूरा लुक काफी सिंपल और सुंदर रखा है। कान में हल्के झुमके, मामूली मेकअप, ढीली चोटी और हाथ में फूल लिए हुए हैं। सबसे खास बात उनकी मुस्कान और चेहरे पर छाया प्रेग्नेंसी ग्लो है, जो देखते ही बनता है। उनकी तस्वीरों में बेबी बंप साफ दिख रहा है। सुरभि ने लिखा, जंगल में फूल की तरह धीरे-धीरे खिलना। कुबूल है, नागिन और इश्कबाज जैसी लोकप्रिय सीरियल्स से मशहूर सुरभि योति हमेशा से अपनी खूबसूरती और एक्टिंग के लिए जानी जाती हैं। प्रेग्नेंसी के समय अपने इस पोस्ट से भी वह अपनी स्टाइल और ग्रेस से फैंस का दिल जीत रही हैं। पोस्ट के बाद सुरभि के इंडस्ट्री के दोस्तों और कलाकारों ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और कमेंट सेक्शन में प्यार और शुभकामनाओं की बौछार कर दी। कई लोगों ने हार्ट और फायर के इमोजी कमेंट किए। अभिनेत्री मौनी रॉय ने कमेंट करते हुए लिखा, कित्ती सुंदर लग रही है। वहीं, अभिनेत्री आरती सिंह और अनीता हसनंदानी ने कमेंट सेक्शन पर हार्ट इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी। बता दें कि सुरभि ने अपनी प्रेगनेंसी की आधिकारिक घोषणा कुछ समय पहले ही की थी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी प्रेग्नेंसी का इशारा करते हुए तस्वीर पोस्ट की थी। इसी के साथ अभिनेत्री ने बताया था कि उनके घर पर नन्हा मेहमान जून में आने वाला है। सुरभि और अभिनेता सुमित सूरी ने 5 साल तक एक दूसरे को डेट करने के बाद उत्तराखंड के जिम कॉर्बेट में एक भव्य और यादगार समारोह में शादी की थी।

# दिल और दिमाग का खास ख्याल रखता है ये छोटा सा ड्राई फ्रूट्स

हर साल 16 फरवरी को राष्ट्रीय बादाम दिवस मनाया जाता है। यह दिन बादाम के औषधीय गुणों, स्वाद और स्वास्थ्य लाभों को सम्मान देने के लिए समर्पित है। बादाम मूल रूप से गर्म और शुष्क जलवायु वाले क्षेत्रों में अच्छी तरह उगता है। यह पोषक तत्वों से भरपूर ड्राई फ्रूट है, जो विटामिन ई, मैग्नीशियम, फाइबर, प्रोटीन और हेल्दी फैट्स से भरपूर होता है। आयुर्वेद में बादाम को सबसे हृदय स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थों में रखा जाता है। बादाम कई रूपों में इस्तेमाल किए जा सकते हैं, कच्चे, भुने, बादाम दूध, बादाम आटा, बादाम मक्खन, बादाम तेल या दलिया में। ये न सिर्फ स्वाद बढ़ाते हैं, बल्कि कई स्वास्थ्य लाभ भी देते हैं। बादाम पर हुए एक रिसर्च के अनुसार, रोजाना थोड़े बादाम के सेवन से दिल, दिमाग और पूरे शरीर को फायदा मिलता है और पेट भरा सा लगता है, जिससे वजन नियंत्रण में मदद मिलती है।

- बादाम में मौजूद मोनोअनसैचुरेटेड फैट्स और फाइबर एलडीएल या खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करते हैं और एचडीएल या अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बेहतर बनाते हैं। इससे ब्लड प्रेशर कम होता है, सूजन घटती है और हृदय रोग का खतरा कम होता है। बादाम के नियमित सेवन से हृदय स्वास्थ्य सुधरता है और ब्लड वेसल्स भी स्वस्थ रहते हैं।
- बादाम में भरपूर मात्रा में विटामिन ई और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो ब्रेन सेल्स को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और सूजन से बचाते हैं। यह न्यूरोलॉजिकल हेल्थ को सपोर्ट करता है, मेमोरी और लर्निंग को बेहतर बनाता है। कुछ अध्ययनों में पाया गया कि बादाम ब्रेन फंक्शन सुधारते हैं और उम्र बढ़ने के साथ होने वाली डिक्लाइन को कम करते हैं। छात्रों के साथ ही बुजुर्ग लोगों के लिए भी बादाम फायदेमंद है। इससे दिमाग तेज और याददाश्त सही होती है।
- बादाम न केवल दिल और दिमाग बल्कि पूरे शरीर के लिए फायदेमंद होता है, यह पेट को लंबे समय तक भरा रखते हैं, जिससे वजन नियंत्रण आसान होता है। इसमें फाइबर पाया जाता है, जो पाचन सुधारता है, ब्लड शुगर कंट्रोल करता है और गट माइक्रोबायोम को बेहतर बनाता है। मैग्नीशियम मसल्स और नर्व्स को रिलैक्स करता है, जबकि प्रोटीन और हेल्दी फैट्स एनर्जी देते हैं। बादाम में एंटीऑक्सीडेंट्स भी पाए जाते हैं, जो सूजन कम करते हैं और इम्युनिटी मजबूत करते हैं।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी : श्री शिवम ग्रोवर, मुद्रक : इंप्रेशन प्रिंटिंग प्रेस एंड पैकेजिंग लिमिटेड, भूतल प्लांट नं.-22, प्रथम तल, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, पंचकूला में मुद्रित। प्रकाशन स्थल : पंचकूला ऑब्जर्वर, प्लॉट नं.-365, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-1, पंचकूला। मुख्य संपादक : श्री अरुण ग्रोवर, समाचार चयन एवं प्रकाशन की समस्त जिम्मेदारी प्रेस एवं रजिस्ट्रेशन ऑफ पीरियोडिकल्स (PRP) एक्ट के अंतर्गत पंचकूला न्यायालय क्षेत्राधिकार में निहित होगी। RNI पंजीकरण संख्या : HRB/L/25/A3417 संपर्क मोबाइल : 98888-86909, ई-मेल : panchkulaobservernews@gmail.com